जो पहले बोले वो हारे

इदरीस शाह

जो पहले बोले वो हारे

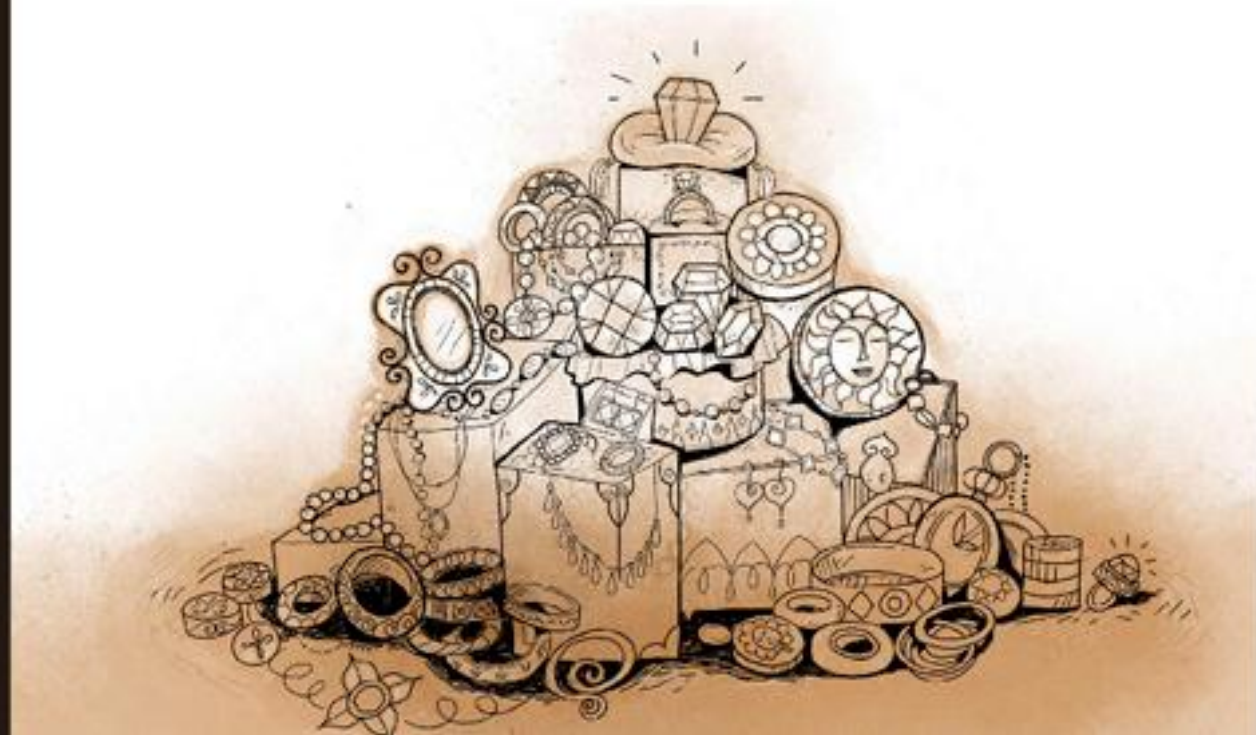

नई-नई शादी के बाद एक दिन
वर-वधु अपने नए घर में शिफ्ट हुए.

शुरू में वो दुनिया के शायद सबसे
खुश नए पति-पत्नी थे.

पर शादी में मिले उपहार
खोलकर देखने के बाद ...

वे एक-दूसरे से
लड़ने-झगड़ने लगे.

"दरवाज़ा बंद करो, बहुत ठंडी हवा अंदर आ रही है," पति ने कहा.

"मैं तुम्हारी नौकरानी नहीं हूँ," पत्नी ने कहा. "तुम खुद बंद करो."

"मेरी बात सुनो," पति ने कहा, "देखते हैं कौन सबसे देर चुप बैठता है. जो पहले अपना मुंह खोलेगा, वही दरवाज़ा बंद करेगा."

पत्नी ने सहमति में अपना सिर हिलाया.

सर्द तेज़ हवा, कमरे में बहती रही.

धीरे-धीरे रात
ढलती गई....

दोनों में से कोई
भी नहीं हिला.

कुछ चोरों ने दरवाज़ा खुला देखा. वो घर में घुसे.

उन्होंने हर चीज़ का मुआयना किया.

आदमी और उसकी पत्नी का भी.

वो पति-पत्नी उन्हें बुत
(मूर्तियों) जैसे लगे.

उन्होंने घर का सब सामान चोरी किया, उसमें वो जेवर भी शामिल थे जो औरत पहने थी.

उसके बावजूद आदमी और
औरत ने एक शब्द नहीं कहा.

कुछ देर बाद दरवाज़ा खुला
देखकर चौकीदार घर में घुसा.

"अपना दरवाज़ा बंद कीजिये!"
पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा.

पर वो आदमी और औरत
बिल्कुल नहीं हिले-डुले.

कोई जवाब न मिलने पर पुलिस वाले
उस दंपत्ति को खींचकर जेल में ले गए.

पुलिस का आदेश न मानने के लिए
अगली सुबह को पति-पत्नी को
जज के सामने पेश किया गया.

"अगर तुम कुछ न बोले तो वो कोर्ट की
अवमानना होगी," जज ने आदमी से कहा.

कोई जवाब न मिलने पर जज ने कहा,
"ठीक है, अब मैं तुम्हें कोड़े मारने का आदेश दूंगा."

तभी
औरत अचानक
चिल्लाई.

"कृपा मेरे पति को चोट न पहुंचाएं!"

"देखो!" औरत का पति चिल्लाया.

"तुम शर्त हार गईं!"

"अब तुम्हें ही दरवाज़ा
बंद करना होगा!"

काश मैं
आपसे कह सकता
कि उसके बाद उस
दंपत्ति की सारी ज़िंदगी
ख़ुशी-ख़ुशी बीती.

अंत